

NATIONAL BOARD OF SCHOOL EXAMINATION

Q.No.	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	TOTAL
MARKS	10	4	4	4	4	6	8	6	8	6	60

Q.No.	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	TOTAL
MARKS	10	5	5								20

Q.No.	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	TOTAL
MARKS											

Q.No.	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	TOTAL
MARKS											

Examiner must fill above boxes with question-wise marks obtained by student.

GRAND TOTAL

80

MARKS IN WORDS

Eighty

Certified that I have evaluated this answer book according to the correct set of question paper and strictly as per the NBSE marking scheme. I also certify that no question has been left un-assessed inside the answer book.

Signature of the Examiner

Certified that marks against each question in the table above have been correctly filled up in accordance with the evaluation done inside the answer book. The marks have also been transferred in the award list/web/app correctly against the roll number of the candidate.

Signature of the Co-ordinator

(To be filled by the student)

Note: Roll No. provided by NBSE to be filled here.

Roll No.

1070251

Student should write code no. as written on the top of the question paper in the box provided →

No. of supplementary answer-book(s) used (if any)

खण्ड क
(अपठित अंश)

10
1.90

क. स्वतंत्र व्यक्ति अपने सभी काम पूरे कर लेता है क्योंकि उसे आत्मविश्वास होता है। अतः अपने आत्मबल के बिना सभी काम पूरे कर लेता है।

ख. आत्मविश्वास और सम्मति पूर्णता एक दूसरे पर निर्भर करती है। आत्मविश्वास व्यक्ति को हर काम में सम्मति दिलाता है। सम्मति तो स्वतंत्र व्यक्ति की दायी बनकर रहती है।

ग. स्वतंत्र व्यक्ति किसी नई कड़ में नयी आत्मा वह अपने सब काम आत्मविश्वास से पूर्ण कर लेता है। उसे किसी की अधीनता स्वीकार नहीं होती।

घ. आत्मनिर्भरता मनुष्य में अनेक गुणों की प्रतिष्ठा करती है। जिस प्रकार अलंकार काव्य की शोभा बढ़ाता है, व्यक्ति भाषा को सज्जित करती है और उद्यम नारी की शोभा बढ़ाता है, वैसे ही उसी प्रकार आत्मनिर्भरता मनुष्य को जीवन में सम्मति प्राप्त करती है।

ड. एकलव्य का इहलोक अभिषेक दिया है क्योंकि वह राम के प्रयास से धनुर्विद्या में प्रवीण बना था। उसे आत्मविश्वास था।

4

य गंगादा का वीरपत्र 'आत्मनिर्भरता' है।

2405 ख

पुनः (14) स्वेरा दोनो दो पक्षी कलख करेन लगे। (समुक्त वाक्य में बदलो)
क स्वेरा हुआ और पक्षी कलख करेन लगे।

ख. लैणों ने जौन बिमा बिंदु पुलिस की आगे। (सुल वाक्य में बदलो)
लैणों के मोत करेन पर नो पुलिस की आगे।

ग. जो मत लगाकर काम करते हैं, उन्हें सम्मलता मिलती है। (देखाकित उपवाक्य का भेद)
विकीपन आश्रित उप वाक्य।

घ. जो सबसे तेज दौड़ेगा, वही पुष्प आसगा। (वाक्य भेद लिखो)
निम्न वाक्य।

पुनः (14) वाक्य परिवर्तन करो -

क. नेता जी ने नए अस्पताल का उद्घाटन किया। (कर्मवाक्य में बदलो)
नेता जी द्वारा नए अस्पताल का उद्घाटन किया गया।

ख माली ने उपवन में पौधे लगाए। (कारवाच में बदलो)
माली द्वारा उपवन में पौधे लगाए गए।

ग माँ से भी नहीं सकती (कारवाच में बदलो)
माँ से रोमा भी नहीं जाता।

घ. सीतलों द्वारा शत्रुओं को मार गिराया गया (कारवाच में बदलो)
सीतलों ने शत्रुओं को मार गिराया।

प्रश्न 4 रेखांकित पदों का उद् परीक्षण करो -

न आज समाज में विनीतता की कमी नहीं है।

विनीतता - पुल्लिंग, बहुवचन, शीतवाचक संज्ञा

ख बालक धीरे-धीरे चल रहा है।

धीरे-धीरे - अव्यय शब्द, शीतवाचक क्रिया विशेषण,

ग मैं उसकी कक्षा में पढ़ता हूँ।

मैं - एकवचन, पुल्लिंग, आम पुरुष, सर्वनाम।

यद्यपि माता परा लिख रही है

1. लक्ष्य 25% - 2020 तक, प्रति व्यक्ति औद्योगिक, निर्माण, लघु,

प्रश्न 5 प्रश्नों के उत्तर दो -

क वक्रों रूपा का उदाहरण -

पुख ही जीवत की कथा रही
कथा बंदू आज जौ नही रही ।

निम्न जीवतन्त्रों में रस पदार्थों: - ✓

उ. सुंगार खा का स्थानी नाव - शेत ।

घ उत्साह और रस का स्थानी भाव है।

2605-ग

प्र० 6 तालिका को पढ़कर पुराने के उत्तर दी:-

क. मुसलाधार वहाँ समाप्त होने के बाद जहाँ की रात पुरवारा और सजीव हो जी

मान्यता मात्र संसार निरुपय सोचे होते वे वह वर्ग के बाह्य गहन रहे हैं।
विजली शब्द रही है अिल्ली की संकार दापुओं की दर-दर से रही है फिर भी
मगत का संगीत सुनने दे रहा है।

ख. मगत सोचे इस मुसाफिरों को जगने के लिए सन्तर्भ करके दे लिए जग
रहा है। संसार एक सन्तर्भ है माँ दर मनुष्य विज्ञान कर रहा है।

ग. "जोड़ी में पिता शब्द उठे सखियों" माँ 'पिता' निराकार ब्रह्म का 'सखियों' उन लोगों
का पुत्राक है जो ईश्वर से अपने का दूर सफल रहे।

प्रश्न 7 किन्हीं चार उद्देश्यों के उद्धार दो:-

क. (8) हालहार साहब को बिना ~~सुख~~ मृत्यु को कहीं देखना अन्धरा नहीं लगता
माँ। सन्तर्भ का देखकर भावुक हो उठे। उन्हें विश्वास हो गया कि कोई तो
है जो उनकी परम्परा को पुरा कर रहा है।

ख. शब्द साहब के बहाने नवाबी परम्परा पर व्यथित हैं कि लोग झूठी ज्ञान
बुझों दिखाने हैं जो जहाँ 2 वह सेकंड क्लास में जाना कर रहे हैं।

घ. तैरिक्ता अपनी माँ की सखिगुता से प्रभावित हो। वह उनके धर्म और
साहसीलता को देखती है नी अधिक समझती थी। वह अपनी माँ से
अपना आदर्श न बना सके 2 क्योंकि उसका लम्बा उनकी मजबूरी थी।

च 705

साड़ी की संस्कृति को गांगा - जमुनी संस्कृति इसलिए कहा गया है - क्योंकि वहाँ हिन्दू और मुसलमान मिलजुल कर सम्भाव पूर्वक रहते हैं। और हर सम्भावना व हिन्दू धर्म के प्रति आस्था रखते हैं। यही मुख्य मिलजुल कर मानते हैं।

पुनः
क 708

(6) कव्वाश को पढ़कर पशुओं के उत्तर :-

ख

क. गौपियों द्वारा उदध्व से बड़भागी इसलिए कहा है क्योंकि गौपियों ने कृष्ण से पुन विवाह। अब उन्हें कृष्ण की विशाखा में जलना पड़ा है। उदध्व किसी के पुन बंधन में नहीं बंधे इसलिए उन्हें बिना वेदना की सहनी पड़ी। इसी कारण गौपियों ने उन्हें कष्ट करते इस बड़भागी कहा है।

घ

ख. 'पुच्छन' घात और 'तेल की गागर' का उदध्व उदध्व की पुन में अनाशक्ति भाव के संदर्भ में कहा है। जिस प्रकार कल्ल के पत्ते तथा तेल लगी गागर पर पानी अपना पुभाव नहीं छोड़ता उसी प्रकार कृष्ण के अत्यंत सौम्य रहते इस उदध्व उनके पुन से बाँधत रहे।

ग

ग. गौपियों ने अपनी तुलना गुड से निचली भीड़ों से की है क्योंकि जिस प्रकार भीड़ों गुड से चिपकी रहती है उसी प्रकार गौपियों की कृष्ण के पुन से लिपट गये हैं और उन्हें छोड़ना नहीं सहित भगरी।

प्र० 9 किन्हीं चार पुस्तों के उद्धरण दो :-

(8)

ख. बालों की तरह बच्चों की मजुर-2 कल्पना निरंतर बढ़ती रहती है उसी प्रकार बालों का ^{सौन्दर्य} भी निरंतर बढ़ता है। जिस प्रकार बाल कल्पनाओं की धारा होती हैं ठीक उसी प्रकार बालों की शक्ति भी अनन्त होती है।

ग. पानी के बिना पत्तल की कल्पना करना भी व्यर्थ है। पत्तलों नदियों के पानी से सिंचित होती हैं और पल धूल देती हैं। इसी प्रकार पत्तलों के नदियों के पानी को जादू कहा गया है।

घ. 'दूर परिचित' ने छिपी सूर रात कृष्ण है - प्राकृत है मानव जीवन ने सुख के बहुरंग की काली छाया भी खड़ी करी है। यहाँ सौंदर्य रात मनुष्य के सुख का प्रतिफल है और काली रात सुख का। अतः दोनों परिचितों ने मनुष्य को जीवन के लिए व प्रेरणा देता प्रेरित।

ङ. कवि संगीतकार के माध्यम से ² उन व्यक्तियों की ओर संकेत कर रहा है जिस प्रकार दीवार की छवि की तरह अपनी कोई पहचान नहीं होती वह दूसरे के अस्तित्व को अपना अस्तित्व दांव पर लगा देती है उसी प्रकार अनाथ व्यक्ति दूसरों की सहायता में पूरा संतुष्ट होता है।

प्र० 10 दो पुस्तों के उद्धरण दो -

10

6

10 के

मोलानाथ को पिता जी गोबर गले मानकर छोड़ा छोड़ा भाला देते थे फिर भी
माता उसे भर-8 कौर भालाती थी कभी तोते के नाम पर कभी मैना के
नाम का कौर ना कहती कि कभी भी हंस - 2 क्या शिवलिंग, छोड़ा - 3
शिवलिंग पर कभी को लगता है कि बहुत बुरा हुआ है फिर बिना चेत नही
खाना बंद कर देता है। 3

29. जाँज पंजन की नाक पर जिंदा नाक लगे पर अक्सर अरवखार वाले वज्रजतने
जिस जाँज की तुलना छोटे बच्चे से नही करी जा सकती इसके अंतरास को भी
अरवखार को अंतरास से जुला न सकता था। इस जाँज की नाक पर अपने
सम्मान की नाक कहवा कर जिन्हा नाक फिर की गई थी मर कल्प मुल्लु भर
पानी में डूबेन जैसा था। मरतीमाँ के आत्मसम्मान पर और करे वाला था।
इसीलिय इस खबर के दिन अरवखार वाले चुप थे। 3

11. निबन्ध लेखन -

10

स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत

स्वच्छता हर व्यक्ति की पहली और प्राथमिक जिम्मेदारी है। सभी को घर
सफाईना चाहिए कि इन केवल तभी स्वस्थ रह सकते हैं जब इन स्वच्छ
वातावरण में अपना जीवन व्यतीत करें। स्वच्छता के संस्कार समाज में ही
विकसित किए जाते हैं घर में माता पिता और विद्यालय में शिक्षक ही
स्वच्छता के गुण समझा सकते हैं।

किसी ने सपने में देखा है - स्वस्थ मन में स्वस्थ शरीर का वास होता है। अगर हमारा मन स्वस्थ है तो हम स्वस्थ रह सकते हैं। मन को हम अपने नहीं, विचार से स्वस्थ करवाना है, शरीर की स्वच्छता और वातावरण की स्वच्छता हम पर ही निर्भर करती है। हम अपने घर व आस पास की सफाई का ध्यान रखना चाहिए। स्वच्छता के अभाव में अनेक विमारिण फैलती है। शूल, दजरी, लेगी का प्रभु होती है। इन विमारिणों का उद्गम होता है - शूल, मलेरिया, निक्कल, गुनिमा आदि ऐसी बहुत सी विमारिणों जो गर्मियों में फैलती हैं। वातावरण में स्वस्थ बनाने के लिए हम कई काम करने चाहिए - जैसे विद्यालय में छात्रों को प्रोत्साहित करना अपने घर व घर के आसपास सफाई रखें तथा कूड़ा फहरा शक स्वच्छ पर धिरे इधर उधर न फैलाएं।

हमारा देश स्वस्थ होगा तो हम भी स्वस्थ रहेंगे। देश को उन्नत भी विकसित देश में होती है। स्वच्छता का ही वातावरण बनता है। हमारे प्रधान मंत्री जी ने स्वच्छ भारत का अभियान चलाया जिसमें उन्हें सम्मलता भी प्राप्त हुई है। अब हम सब पर निर्भर करता है कि प्रत्येक नागरिक स्वच्छ होगा तो देश स्वच्छ होगा, चाहे तब स्वच्छता होगी तो हवा भी शुद्ध होगी, पानी शुद्ध होगा तो प्रत्येक मनुष्य का स्वस्थ भी हो जाएगा, वह शुद्ध हवा में सांस लेगा और उसके स्वस्थ पर भी प्रभाव होगा।

अतः प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है कि अपने आस पास के वातावरण को शुद्ध रखें स्वस्थ रहें और हमारा देश भी स्वस्थ होना चाहिए। तो देश

की उन्नति होगी देश उन्नत होगा तो पुनः मुख्य स्वयं होगा।
। दूसरे स्वयं तो मन बखराव।

1250 मिना को बना लिया - कि विद्यालय में वार्षिक उत्सव कैसे मनाया गया -

परीक्षा नवन
नई दिल्ली
दिनांक -

5

मिम शशिनी

समस्त लक्ष्मी।
कैसे हो मिना! तुमने तो बहुत समय से पना नही लिखा। मैं तुम्हें पता कर रही
हूँ कि कल हमारे विद्यालय में वार्षिक उत्सव हुआ। मैं तुम्हें उसका वर्णन पना
जारा कर रही हूँ ताकि तुम भी इस उत्सव का आनन्द ले सको और कुछ
पुराने में ताजी कर लो। विद्यालय के उत्सव में बहुत बड़ी से बड़ों का
है छात्राओं ने हिस्सा लिया सर्वप्रधान हमारे प्रधानाचार्य जी ने सबसे स्वागत
किया अतिथिगण के रूप में हमारे जिले के अध्यक्ष महोदय उपस्थित थे
स्वगत समारोह के पश्चात दोरी दोरी छात्राओं के द्वारा नृत्य गीत गाया, तत्पश्चात
छात्र छात्राओं से एक नाटक पेश किया जिसका विषय था - नारी शक्ति व

सम्मान जो कि कई रंगों विभिन्न प्रोडक्ट में प्रस्तुत किया जा कि सभी उपस्थित जनों को आकर्षित कर रही थी लोरी का सम्मान देश का सम्मान है।

लक्ष्मणन कुछ लोरी व रंगों के प्रदर्शन के कारण सम्मान दिया कि लोग को स्वस्थ रही। लोग करती छात्रों बहुत ही सुन्दर लग रही थी कई आसन दिए। हर वर्ष प्रशस्ति पाने वाली छात्रों को प्रशस्ति से सम्मानित किया। लक्ष्मणन वार्षिक रिपोर्ट पर प्रशस्ति पाने वाले जो कि सुनिश्चित विद्यालय में सम्मानित छात्रों को प्रशस्ति पाने की इस प्रकार वार्षिक उत्सव हवाव हुआ अन्त में सभी ने राष्ट्र गान गाकर देश का सम्मान दिया।

धन्यवाद। तुम्हारे पत्र के जवाब में जल्दी मिले।

13. पुराने फर्नीचर को बेचने के लिए विज्ञापन :

5 सैल सैल सैल

बहुत ही अच्छी दशा में पुराने का सैल सैल सैल सैल उबोरे जिसे मैं बेचना चाहती हूँ क्योंकि अगले महीने में काम पर हो रहा है। जहाँ मेरा काम पर हुआ वहाँ पर मैं ही घर पर जाना चाहती हूँ, इसलिए मैं इस काम को बेचना चाहती हूँ।

आप तुम्हारे - सम्पर्क करें xxxxx

इस लम्बर पर सम्पर्क कर सकते हैं आप ही पत्र के जवाब धन्यवाद।